just udaipur उदयपुर

talk global act local

राजस्थान पत्रिका

एक क्लिक पर लाइब्रेरी

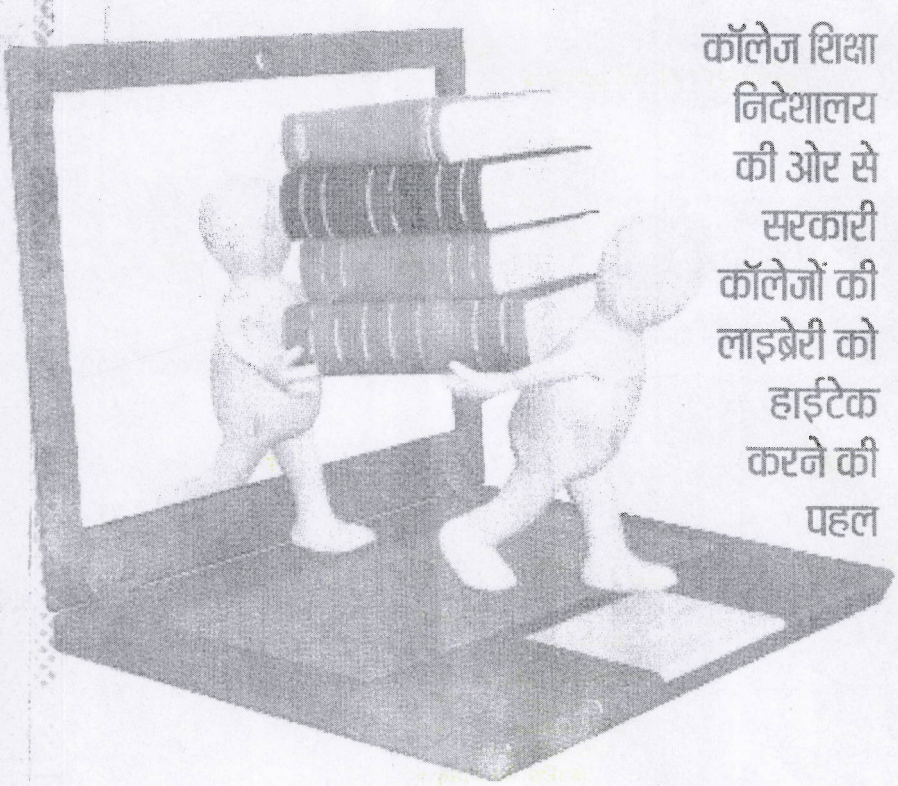

कॉलेज शिक्षा निदेशालय की ओर से सरकारी कॉलेजों की लाइब्रेरी को हाईटेक करने की पहल

just रिपोर्टर
justreporter.udaipur@patrika.com

उदयपुर. सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। किताबों की जानकारी के लिए अब स्टूडेंट्स को कॉलेज की लाइब्रेरी के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। बस, कम्प्यूटर पर एक क्लिक से किताब की पूरी जानकारी मिलेगी । प्रदेश के सभी 144 सरकारी कॉलेजों के पुस्तकालय भी अब प्राइवेट कॉलेजों की तरह हाईटेक होंगे। इसमें उदयपुर का राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय भी शामिल है।

कॉलेज शिक्षा निदेशालय राजकीय कॉलेजों की लाइब्रेरीज कम्प्यूटराइज्ड और ऑनलाइन करने योजना तैयार की है। पहले चरण में पीजी कॉलेजों का चयन किया गया इसके लिए निदेशालय ने कॉ प्राचार्यों को आदेश जारी कर दिए इसके तहत सरकारी कॉलेजों लाइब्रेरी कम्प्यूटराइजेशन से सूचनाएं निदेशालय को भिजवानी इन्हीं सूचनाओं के आधार पर लाइ को हाईटेक्नोलॉजी से लैस किया सकेगा।

सॉफ्टवेयर से होगा कम्प्यूटराइजेशन

राज्य के सभी 144 सरकारी कॉलेजों की लाइब्रेरी का कम्प्यूटराइजेशन चरणबद्ध तरीके से होगा। यह काम एनआईसी निर्मित ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के जरिए किया जाएगा।

सभी किताबों की होगी बार कोडिंग

जानकारी के अनुसार कॉलेज लाइब्रेरी की सभी किताबों की बार कोडिंग की जाएगी। बारकोडिंग में किताब की संक्षिप्त जानकारी, जैसे बुक टाइटल, ऑथर का नाम, सब्जेक्ट, पब्लिशर, ईयर ऑफ पब्लिकेशन आदि होगी। सॉफ्टवेयर के इंस्टॉलेशन और मेंटिनेंस के लिए कॉलेज लाइब्रेरियन को ट्रेनिंग दी जाएगी।

ई-ग्रंथालय क्यों ?

एनआईसी यह सॉफ्टवेयर सभी पब्लिक लाइब्रेरी के लिए मुफ्त में उपलब्ध करवाता है। इस सॉफ्टवेयर के अपग्रेड वर्जन भी मुफ्त में मिलते हैं। यही वजह है कि निदेशालय ने सभी गवर्नमेंट कॉलेजों को इस सॉफ्टवेयर से जोड़ने का निर्णय लिया है।

पहले चरण में

राजकीय महिला कॉलेज- उदय अजमेर, अलवर, बारां, भरत श्रीगंगानगर, झालावाड़, कोटा, जैसल शाहपुरा (जयपुर), सिरोही

राजकीय कॉलेज- कोटा, झालाव पाली, टोंक, अलवर, धौल श्रीगंगानगर, सिरोही, अजमेर, बाड़ भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चिमनपुरा, जैसलमेर, झुंझुनूं, काला (जयपुर), कोटपूतली, राजसमंद, सी नागौर, जालौर, अलवर, गंगापुरसि खुरवाड़ा, बारां, चित्तौड़गढ़, दौसा अलावा और को शामिल किया गया

हमारे पास इस संबंध में निदेशालय की ओर से सर्कुलर आ चुका है। इसके लिए पूरी जानकारी जल्द ही निदेशालय को उपलब्ध करवाएंगे।

किशनाराम, प्राचार्य, राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय

9-OCT-2012